Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two Day National Seminar on
Bharat@75: Social, Economic, Political and Cultural Dimensions

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 11-09-2022**

-हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार भारत एट 75 को हुआ शुभारंभ

समाज उपयोगी हो शोध का उद्देश्य: प्रफुल्ल अकांत

- कुलपति बोले नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से मिलेगी शोध को नई दिशा

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड कल्चरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुक्रवार को शुभारम्भ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री श्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर श्री प्रफुल्ल अकांत ने कहा कि शोध का सही लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जबकि वह समाज उपयोगी होगा। उन्होंने अपने संबोधन में भारत को आत्मनिर्भर व विश्वशक्ति बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त किया जाएगा।

दीप प्रज्जवलन कर सेमिनार का उद्घाटन करते श्री प्रफुल्ल अकांत

दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते श्री प्रफुल्ल अकांत

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीपप्रज्जवलन के साथ हुई। इसके पश्चात सेमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव ने आईसीएसएसआर व शोध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में शोध के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आलोक सिंह ने भारतीय ज्ञान परम्परा और उससे जुड़े समाज हित पर विस्तार से बात रखते हुए शोध के उद्देश्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से शोध निरंतर भारत की सामाजिक परिकल्पना और समाज की बेहतरी हेतु शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। आयोजन में मुख्य अतिथि प्रफुल्ल अकांत ने विश्वविद्यालय कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत और भारत की पहचान पर विमर्श से ही इसके विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत में विविधत में एकता का उल्लेख किया जाता है जबकि सही मायने में यह कथन एकता में विविधता होना चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की समृद्धता, गौरवशाली इतिहास, सामाजिक समरसता, आर्थिक चिंतन, महिलाओं के प्रति चिंतन का उल्लेख करते हुए समाज हितैषी व जनउपयोगी शोध की ओर बढ़ने का आह्वान प्रतिभागियों से किया। उन्होंने आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि सब कुछ उचित रहा हो, भारत के इतिहास में ऐसे अनेकों उदाहरण उपलब्ध हैं जोकि वहां व्याप्त पर्दाप्रथा, वर्ण व्यवस्था के अनुचित चलन को प्रदर्शित करते हैं। श्री प्रफुल्ल अकांत ने इस अवसर पर शोध के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा दिखाए गए आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित किया और विश्वविद्यालय स्तर पर कैम्पस टू कम्यूनिटी व रूरल इंटर्नशिप प्रोग्राम जैसे माध्यमों को अपनाने पर जोर दिया।

श्रीफल भेंट कर श्री प्रफुल्ल अकांत का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संबोधन में नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में देश के 25 राज्यों व केंद्रशासित राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और हम उनके माध्यम से भारतवर्ष में उपलब्ध शोध की जमीनी आवश्यकताओं को समझते हुए उल्लेखनीय बदलाव ला सकते हैं। कुलपति ने कहा कि आज जरूरत है बहुविकल्पीय शिक्षा व्यवस्था की और इसके प्रति सकारात्मक रवैया अपनाते हुए आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वावलंबी भारत के निर्माण हेतु युवाओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेख किया है ऐसे में युवा पीढ़ी को अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करते हुए इस दिशा में बढ़कर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में समाज सेवी श्रीमती ममता यादव ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से महिलाएं पुरातन काल से ही भारत निर्माण में पुरूषों की अपेक्षा उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस आयोजन में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रेनु यादव, डॉ. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 10-09-2022**

समाज उपयोगी हो शोध का उद्देश्य : प्रफुल्ल

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार भारत एट 75 का हुआ शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75 प्रतिशत सोशल, इकनॉमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ।

मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रफुल्ल अकांत ने कहा कि शोध का सही लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जबकि वह समाज उपयोगी होगा। कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त किया जाएगा।

निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव ने आईसीएसएसआर व शोध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में शोध के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आलोक सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा और उससे जुड़ें समाज हित पर विस्तार से बात रखते हुए शोध के उद्देश्यों का उल्लेख किया।

श्रीफल भेंट कर प्रफुल्ल अकांत का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से मिलेगी शोध को नई दिशा'

कुलपति ने नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। विश्वविद्यालय में देश के 25 राज्यों व केंद्र शासित राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और हम उनके माध्यम से भारतवर्ष में उपलब्ध शोध की जमीनी आवश्यकताओं को समझते हुए उल्लेखनीय बदलाव ला सकते हैं। ममता यादव ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसिचव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस आयोजन में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रेनु यादव, डॉ. अजय पाल रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 10-09-2022**

समाज उपयोगी हो शोध का उद्देश्य: प्रफुल्ल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फार हालिस्टिक डेवलपमेंट आफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड कल्चरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर प्रफुल्ल अकांत ने कहा कि शोध का सही लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जबकि वह समाज उपयोगी होगा। उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर व विश्व शक्ति बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त किया जाएगा।

आइसीएसएसआर व शोध के उद्देश्य पर डाला प्रकाश : कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात सेमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डा. पूजा राव ने आइसीएसएसआर व शोध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रफुल्ल अकांत ● सौ. प्रवक्ता

इसी क्रम में शोध के राष्ट्रीय संयोजक डा. आलोक सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा और उससे जुड़े समाज हित पर विस्तार से बात रखते हुए शोध के उद्देश्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में विविधता में एकता का उल्लेख किया जाता है, जबकि सही मायने में यह कथन एकता में विविधता होना चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की समृद्धता, गौरवशाली इतिहास, सामाजिक समरसता, आर्थिक चिंतन, महिलाओं के प्रति चिंतन का उल्लेख करते हुए समाज हितैषी व जनउपयोगी शोध की ओर बढ़ने का आह्वान प्रतिभागियों से किया।

नई शिक्षा नीति नए भारत के निर्माण में साबित होगी मील का पत्थर : **कुलपति:** विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में देश के 25 राज्यों व केंद्रशासित राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और हम उनके माध्यम से भारतवर्ष में उपलब्ध शोध की जमीनी आवश्यकताओं को समझते हुए उल्लेखनीय बदलाव ला सकते हैं। कुलपति ने कहा कि आज जरूरत है बहुविकल्पीय शिक्षा व्यवस्था की और इसके प्रति सकारात्मक रवैया अपनाते हुए आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वावलंबी भारत के निर्माण के लिए युवाओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेख किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में समाज सेवी ममता यादव ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस आयोजन में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, डा. प्रदीप सिंह, डा. रेनु यादव, डा. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 10-09-2022**

राष्ट्रीय सैमिनार 'भारत @75' का शुभारंभ

समाज उपयोगी हो शोध का उद्देश्य: प्रफुल्ल अकांत

महेंद्रगढ़, 9 सितम्बर (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद व स्टूडैंट फॉर होलिस्टिक डिवैल्पमैंट ऑफ ह्यूमैनिटी (शोध) हरियाणा की सांझेदारी से भारत @ 75: सोशल, इक्नोमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमैंशन विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार का शुक्रवार को शुभारम्भ हुआ।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में समाज सेवी व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर प्रफुल्ल अकांत ने कहा कि शोध का सही लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जबकि वह समाज उपयोगी होगा। उन्होंने अपने संबोधन में भारत को आत्मनिर्भर व विश्व शक्ति बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त किया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत व दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात सैमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव ने आई.सी.एस.एस.आर. व शोध के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

इसी क्रम में शोध के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आलोक सिंह ने भारतीय ज्ञान परम्परा और उससे जुड़े समाज हित पर विस्तार से बात रखते हुए शोध के उद्देश्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से शोध निरंतर भारत की सामाजिक परिकल्पना और समाज की बेहतरी हेतु शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। आयोजन में मुख्यातिथि प्रफुल्ल अकांत ने विश्वविद्यालय कुलपति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत और भारत की पहचान पर विमर्श से ही इसके विकास को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि भारत में विविधता में एकता का उल्लेख किया जाता है जबकि सही मायने में यह कथन एकता में विविधता होना चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की समृद्धता, गौरवशाली इतिहास, सामाजिक समरसता, आर्थिक चिंतन, महिलाओं के प्रति चिंतन का उल्लेख करते हुए समाज हितैषी व जन उपयोगी शोध की ओर बढ़ने का आह्वान प्रतिभागियों से किया। उन्होंने आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि सब कुछ उचित रहा हो, भारत के इतिहास में ऐसे अनेकों उदाहरण उपलब्ध हैं जोकि यहां व्याप्त पर्दा प्रथा, वर्ण व्यवस्था के अनुचित चलन को प्रदर्शित करते हैं।

सैमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते प्रफुल्ल अकांत।

कुलपति बोले- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से मिलेगी शोध को नई दिशा

विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संबोधन में नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति नए भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में देश के 25 राज्यों व केंद्र शासित राज्यों से आए विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और हम उनके माध्यम से भारतवर्ष में उपलब्ध शोध की जमीनी आवश्यकताओं को समझते हुए उल्लेखनीय बदलाव ला सकते हैं।

कुलपति ने कहा कि आज जरूरत है बहुविकल्पीय शिक्षा व्यवस्था की और इसके प्रति सकारात्मक रवैया अपनाते हुए आगे बढ़ना होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वावलंबी भारत के निर्माण हेतु युवाओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेख किया है ऐसे में युवा पीढ़ी को अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करते हुए इस दिशा में बढ़कर कार्य करना होगा।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में समाज सेवी ममता यादव ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से महिलाएं पुरातन काल से ही भारत निर्माण में पुरुषों की अपेक्षा उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के कुलसिचव प्रो. सुनील कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

इस आयोजन में प्रो. सारिका शर्मा, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. रंजन अनेजा, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रेनु यादव, डॉ. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रफुल्ल अकांत ने इस अवसर पर शोध के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा दिखाए गए आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रेरित किया और विश्वविद्यालय स्तर पर कैम्पस टू कम्यूनिटी व रूरल इंटर्नशिप प्रोग्राम जैसे माध्यमों को अपनाने पर जोर दिया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 11-09-2022**

हकेवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

■ आईसीएसएसआर व शोध हरियाणा के सहयोग से हुआ आयोजन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को समापन हो गया। सेमिनार के समापन सत्र में प्रख्यात इतिहासकार प्रो. कपिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता श्री विजय प्रताप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही प्रतिभागियों को विरासत को जानते समझते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने में मददगार होगा। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों की सराहना की।

ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र में सेमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. कपिल कुमार ने भारत की आजादी में आजाद हिंद फौज के

हकेवी में आयोजित समापन सत्र में अपने विचार रखते प्रो. कपिल कुमार।

सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. कपिल कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सुभाष चंद्र बोस के योगदान, उनके विभिन्न ऐतिहासिक पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा और बताया कि किस तरह से उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाई। समापन सत्र से पूर्व प्लेनरी सेशन का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. दिनेश गुप्ता व प्रो. आनंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास में नवाचार के महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि नवाचार किस तरह से सतत आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। एनआईटी कुरूक्षेत्र के प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से तकनीकी विकास की यात्रा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार ने 75 वर्षों में आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार रखे। प्रो. आनंद शर्मा ने एकात्म मानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला और इसकी मूल अवधारणा को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ. आरती यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव, शोध के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आलोक सिंह, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रेनु यादव, डॉ. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, प्रभारी, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 11-09-2022**

आर्थिक विकास में नवाचार जरूरी : प्रो. सुनीता

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेविवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट ऑफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75 प्रतिशत सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को समापन हो गया।

समापन सत्र में प्रख्यात इतिहासकार प्रो. कपिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता विजय प्रताप उपस्थित रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही प्रतिभागियों को विरासत को जानते समझते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने में मददगार होगा।

ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र में सेमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. कपिल कुमार ने भारत की आजादी में आजाद हिंद फौज के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सुभाष चंद्र बोस के योगदान, उनके विभिन्न ऐतिहासिक पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा। समापन सत्र से पूर्व प्लेनरी सेशन का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. दिनेश गुप्ता व प्रो. आनंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास में नवाचार के महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि नवाचार किस तरह से सतत आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। एनआईटी कुरूक्षेत्र के प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से तकनीकी विकास की यात्रा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार ने 75 वर्षों में आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार रखे। प्रो. आनंद शर्मा ने एकात्म मानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 11-09-2022**

सेमिनार में भविष्य की दिशा निर्धारित होती है : प्रो . टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय , महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) व स्टूडेंट फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट आफ ह्यूमेनिटी (शोध) हरियाणा की साझेदारी से भारत एट 75: सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड कलचरल डाइमेंशन विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को समापन हो गया। सेमिनार के समापन सत्र में प्रख्यात इतिहासकार प्रो. कपिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता विजय प्रताप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही प्रतिभागियों को विरासत को जानते समझते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने में मददगार होगा। कुलपति ने इस सफल आयोजन के लिए सभी आयोजकों की सराहना की। प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. कपिल कुमार ने भारत की आजादी में आजाद हिंद फौज के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आजादी की लड़ाई में सुभाष चंद्र बोस के योगदान, उनके विभिन्न ऐतिहासिक पक्षों को प्रतिभागियों के समक्ष रखा और बताया कि किस तरह से उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाई। समापन सत्र से पूर्व प्लेनरी सेशन का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. दिनेश गुप्ता व प्रो. आनंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास में नवाचार के महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि नवाचार किस तरह से सतत आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। एनआईटी कुरूक्षेत्र के प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से तकनीकी विकास की यात्रा से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार ने 75 वर्षों में आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार रखे। प्रो. आनंद शर्मा ने एकात्म मानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला और इसकी मूल अवधारणा को स्पष्ट किया।कार्यक्रम में मंच का संचालन डा. आरती यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. आनंद शर्मा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव, शोध के राष्ट्रीय संयोजक डा. आलोक सिंह, डा. प्रदीप सिंह, डा. रेनु यादव, डा. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 11-09-2022**

हकेंवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 10 सितम्बर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद व स्टूडैंट फॉर हॉलिस्टिक डिवैल्पमैंट ऑफ ह्यूमैनिटी (शोध) हरियाणा की सांझेदारी से भारत @75 : सोशल, इकनोमिक, पोलिटिकल एंड क्लचरल डाइमैंशन विषय पर केंद्रित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमिनार का शनिवार को समापन हो गया। सैमिनार के समापन सत्र में प्रख्यात इतिहासकार प्रो. कपिल कुमार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्त्ता विजय प्रताप उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन अवश्य ही प्रतिभागियों को विरासत को जानते-समझते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने में मददगार होगा।

सैमिनार के समापन सत्र में मुख्यातिथि प्रो. कपिल कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

ब्लेंडेड माध्यम से आयोजित कार्यक्रम के समापन सत्र में सैमिनार के निदेशक प्रो. दिनेश गुप्ता ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। समापन सत्र के मुख्यातिथि प्रो. कपिल कुमार ने भारत की आजादी में आजाद हिंद फौज के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, प्रो. सतीश कुमार, प्रो. दिनेश गुप्ता व प्रो. आनंद शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में आर्थिक विकास में नवाचार के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि नवाचार किस तरह से सतत आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

एन.आई.टी. कुरुक्षेत्र के प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से तकनीकी विकास की यात्रा से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार ने 75 वर्षों में आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, शिक्षा व्यवस्था पर अपने विचार रखे।

प्रो. आनंद शर्मा ने एकात्म मानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला और इसकी मूल अवधारणा को स्पष्ट किया। राष्ट्रीय सैमिनार के आयोजन में शोध की राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. पूजा राव, शोध के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आलोक सिंह, डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. रेनु यादव, डॉ. अजय पाल शर्मा, आयोजन सचिव राहुल गोयत ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।